मधु और चमन के बीच होगी जंग

देहरादून जिला पंचायत के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए दो-दो प्रत्याशियों ने भरे पर्चे

कलेक्ट्रेट परिसर में जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल करतीं भाजपा प्रत्याशी मधु चौहान, साथ में हैं अन्य भाजपा नेता।

देहरादून (एसएनबी)। जनपद देहरादून में जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर भाजपा प्रत्याशी मधु चौहान व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी चमन सिंह आमने-सामने होंगे। दोनों प्रत्याशियों ने बुधवार को भाजपा व कांग्रेस के दिग्गजों की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट परिसर में नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा प्रत्याशी मधु चौहान पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान की पत्नी हैं। इससे पहले भी वह देहरादून जनपद में जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी चमन सिंह प्रदेश के खाद्य मंत्री प्रीतम सिंह के भाई हैं। इसी तरह जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी सुभाष शर्मा व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी डबल सिंह ने नामांकन पत्र भरा है।

- भाजपा प्रत्याशी मधु चौहान व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी चमन सिंह के बीच होगा मुकाबला
- पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान व काबीना मंत्री प्रीतम सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर
- 43 सदस्यीय जिला पंचायत में कौन बनेगा बादशाह फैसला पांच अगस्त को
- उपाध्यक्ष पद पर भाजपा के सुभाष शर्मा व कांग्रेस समर्थित डबल सिंह ने भरा पर्चा

कुल मिलाकर देहरादून जिला पंचायत के अध्यक्ष पद पर इस बार भी मुख्य मुकाबला पछवादून के ही दिग्गजों के बीच है। भाजपा ने निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष व पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान की पत्नी मधु चौहान को ही मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने सहमति बनाते हुए काबीना मंत्री प्रीतम सिंह के भाई चमन सिंह को मधु चौहान के मुकाबले जिपं अध्यक्ष पद के लिए खड़ा किया है। बताते चलें कि जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के लिए कांग्रेस ने अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। चमन सिंह ने कांग्रेसियों की मौजूदगी में जिस तरह अपना नामांकन पत्र भरा है उससे साफ हो गया है चमन सिंह को कांग्रेस का समर्थन है। जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भले ही मुकाबला भाजपा की प्रत्याशी मधु चौहान व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी चमन सिंह के बीच हो लेकिन प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है जौनसार भावर क्षेत्र के दो दिग्गजों पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान व सूबे के काबीना मंत्री प्रीतम सिंह की।

जौनसार बाबर की राजनीति में दोनों का जबरदस्त दबदबा है। शायद यही वजह है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हो या विधानसभा या लोकसभा का चुनाव । मुन्ना व प्रीतम हमेशा आमने-सामने (मुख्य प्रतिद्वंद्वी) रहते हैं। इस बार दोनों दिग्गजों की साख जिपं अध्यक्ष के लिए दाव पर है। 43 सदस्यीय जिला पंचायत में किसकी जीत और किसकी हार होगी यह तो आगामी पांच अगस्त को होने वाले मतदान व इसी दिन निकलने वाले परिणाम के बाद साफ हो पाएगा। इस बात में दो राय नहीं कि जिपं अध्यक्ष पद पर भाजपा व कांग्रेस में कांटे की टक्कर है। वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो कांग्रेस समर्थित 18 जिला पंचायत सदस्य हैं जबकि 14 जिला पंचायत सदस्य भाजपा के हैं। इसके अलावा तीन जिपं सदस्य ऐसे हैं जिनको भले ही भाजपा ने टिकट न दिया हो लेकिन वह भाजपाई ही हैं। जिला पंचायत सदस्य पर जीत करने वाले निर्दलीय ही निर्णायक साबित होंगे। यह बात अलग है कि निर्दलीयों को अपने पक्ष करने में कौन दिग्गज कामयाब हो पाता है।

नामांकन में जुटे भाजपाई व कांग्रेसी

देहरादून। बुधवार को जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के लिए हुए नामांकन प्रक्रिया हुई है। देहरादून जनपद की नामांकन प्रक्रिया कलेक्ट्रेट परिसर में जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी चंद्रेश कुमार की मौजूदगी में हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए सबसे पहले दोपहर 12:10 बजे भाजपा प्रत्याशी मधु चौहान ने नामांकन भरा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तीरथ सिंह रावत, विधायक हरबंस कपूर, विधायक गणेश जोशी, विधायक प्रेमचंद अग्रवाल, पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य सुभाष शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष नीलम सहगल आदि भाजपाई भी मधु चौहान के नामांकन के दौरान मौजूद रहे। इसके बाद जिपं उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा प्रत्याशी सुभाष शर्मा ने दोपहर 12:15 बजे नामांकन पत्र भरा।

भाजपा प्रत्याशियों के बाद कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी चमन सिंह पौने एक बजे के आसपास नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ काबीना मंत्री प्रीतम सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, कांग्रेसी नेता एसपी सिंह, उपेन्द्र थापली आदि कांग्रेसी शामिल रहे। इसके बाद 12:50 बजे के आसपास कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी डबल सिंह ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र भरा है। जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर भाग्य आजमा रहे भाजपा व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के प्रति आश्वस्त दिखे। सभी अपनी जीत पक्की होने का दावा करते रहे। उधर, नामांकन पत्रों की जांच के बाद सभी प्रत्याशियों के नामांकन सही पाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आगामी दो अगस्त को नाम वापसी के बाद पांच अगस्त को जिपं अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के लिए मतदान होगा। मतगणना के बाद परिणाम भी इसी दिन घोषित किए जाएंगे।

एशिया ओपन जूडो चैंपियनशिप में भाग लेंगी सविता गुरुंग

देहरादून (एसएनबी)। ताइपे में होने जा रही एशिया जूडो चैंपियनशिप में उत्तराखंड की सविता गुरूंग का 48 किग्रा भार वर्ग में भारतीय जूडो टीम के लिए चयन हुआ है। टीम 30 जुलाई की रात दिल्ली अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से ताइपे (चाइना) के लिए रवाना होगी।

- 31 जुलाई से छह अगस्त तक चाइना में होगी प्रतियोगिता

यह जानकारी जूडो एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तकनीकी सचिव अवनीश भट्ट ने दी। उन्होंने बताया कि जूडो यूनियन ऑफ एशिया द्वारा 31 जुलाई से छह अगस्त तक ताइपे में एशिया कैडेट जूडो चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देहरादून (उत्तराखंड) की सविता गुरूंग का 48 किग्रा भारवर्ग में भारतीय जूडो टीम में चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि सविता गुरूंग राष्ट्रीय जूडो प्रशिक्षक सतीश शर्मा से चिल्ड्रेन्स एकेडमी जूडो ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण ले रही हैं। वह इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं।

पैसे न चुकाने के मामले में अधिकारी का नाम चर्चा में

देहरादून (एसएनबी)। महंगे मोबाइल की पूरी कीमत न चुकाने के मामले में दारोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी का नाम भी चर्चाओं में है। सूत्रों की मानें तो दारोगा ने अपने लिए नहीं बल्कि इसी बड़े अधिकारी के लिए मोबाइल लिया था। मामले की जांच सीओ सिटी को सौंपी गई है।

- दुकानदार को मिल चुकी है मोबाइल की पूरी कीमत

एक रोज पहले दारोगा नीरज कुमार के खिलाफ घंटाघर स्थित मेहता वाच कंपनी के मालिक पंकज मेहता की ओर से अमानत में खयानत व भ्रष्टाचार अधिनियम में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। पंकज मेहता द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार नीरज कुमार ने उससे 32 हजार रुपये में ब्लैकबेरी का एक मोबाइल खरीदा था। कई बार तकादा करने के बाद मोबाइल के करीब पांच माह बाद केवल 20 हजार रुपये चुकाए गए। कई बार संपर्क करने के बाद भी आरोपित नीरज कुमार ने शेष 12 हजार रुपये की रकम अदा नहीं की। नीरज के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद मुख्यालय में भी कानाफूसी शुरू हो गई है। सूत्रों की बातों पर विश्वास करें तो पुलिस मुख्यालय में तैनात एक बड़े अधिकारी के लिए यह मोबाइल खरीदा गया था। अधिकारी के रकम न देने के बाद आरोपित नीरज कुमार भी रकम देने से बचता रहा। हालांकि मामले में आरोपित नीरज कुमार ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। एसएसपी अजय रौतेला ने कहा कि मामले की जांच सीओ सिटी को सौंप दी गई है। यह बात जांच के बाद ही सामने आ पाएगी कि मोबाइल का उपयोग वर्तमान में कौन सा अधिकारी कर रहा है और किसने द्वारा रकम चुकाने से इनकार किया गया। दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि दुकानदार को मोबाइल की पूरी कीमत मिल चुकी है। यह रकम उसे मुकदमा दर्ज होने से पहले ही मिल गई थी। बताया जा रहा है कि शिकायत काफी समय पहले की गई थी। कोतवाली तक पहुंचते-पहुंचते इसे काफी वक्त लग गया।

सेंट जोजेफ्स के बाहर वाहन खड़े नहीं होंगे

देहरादून (एसएनबी)। स्कूल लगने के दौरान और छुट्टी के समय अब सेंट जोजेफ्स एकेडमी के बाहर मुख्य सड़क वाहन खड़े नहीं हो सकेंगे। स्कूल प्रबंधन को अब स्कूल बस और अभिभावकों की गाड़ियों को स्कूल परिसर में खड़ा करने की व्यवस्था करनी होगी। स्कूल को भेजे गए नोटिस में स्कूल की तरफ से किसी के उपस्थित न होने के बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने यह आदेश दिया है। आदेश का अनुपालन करवाने के निर्देश प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को दिए गए हैं। आदेश का पालन न करने पर स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सेंज जोजफ्स स्कूल के बाहर खड़े अभिभावकों से अपने वाहन स्कूल के भीतर ले जाने का निर्देश देते सिटी मजिस्ट्रेट।

- नोटिस में एसजेए के उपस्थित न होने पर सिटी मजिस्ट्रेट ने दिए आदेश

पूर्व में स्कूल को नोटिस भेजा गया था कि स्कूल लगने व छुट्टी के समय स्कूल के बाहर स्कूल बसें व अभिभावको की सैकड़ों गाड़ियां खड़ी रहती हैं। बाहर मुख्य सड़क पर वाहनों की पार्किंग से आम लोगों को बेहद परेशानी और दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नोटिस में स्कूल प्रबंधन को दो मई को उपस्थित होना था परंतु स्कूल प्रबंधन की ओर से कोई भी नियत समय पर उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद पूर्व में जारी आदेश को ही सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा अंतिम मानते हुए निर्णय दिया है कि अब स्कूल लगने और छुट्टी के दौरान कोई भी स्कूली वाहन व अभिभावकों के वाहन मुख्य सड़क पर खड़े नहीं होंगे। इस दौरान स्कूल को अपना मुख्य गेट खुला रखना होगा और सभी स्कूली वाहनों समेत अभिभावकों के वाहन भी स्कूल परिसर में ही खड़े करने की व्यवस्था करनी होगी। स्कूल यदि आदेश का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कांस्टेबल के पद 59, आवेदन 12 हजार

देहरादून (एसएनबी)। शुक्रवार से पुलिस कांस्टेबल पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू हो रही है। मात्र 59 पदों के लिए दून के 12 हजार युवाओं ने आवेदन भरा है। पहले चरण में होने वाली शारीरिक परीक्षा के बाद लिखित परीक्षा की तिथि घोषित की जाएगी।

विभाग द्वारा करीब छह माह पहले पुलिस कांस्टेबल पद के लिए आवेदन मांगे गए थे। दून में होने वाली 59 पदों पर भर्ती के लिए 22 पद सिविल पुलिस व 33 पद पीएसी के लिए हैं जबकि शेष चार पद फायर सर्विस कांस्टेबल के लिए हैं। पुलिस कप्तान अजय रौतेला ने बताया कि करीब हर दिन साढ़े चार सौ अभ्यर्थियों की शारीरिक परीक्षा होगी। शारीरिक परीक्षा के बाद लिखित परीक्षा होगी जिसमें सफल अभ्यर्थी हिस्सा ले पाएंगे।

पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षकों का आमरण अनशन जारी

देहरादून (एसएनबी)। पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षकों का आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। संविदा शिक्षकों ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार संविदा शिक्षकों को नियमित कर रही है वहीं दूसरी ओर पॉलीटेक्निक शिक्षकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रही है।

बुधवार को पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षकों की परेड ग्राउंड स्थित धरनास्थल पर बैठक हुई। वक्ताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि उनका सेवा विस्तार चार वर्षों के लिए किया जाए। उनको लोक सेवा आयोग की परिधि से बाहर किया जाए। संविदा शिक्षकों को 35 हजार रुपये मानदेय दिया जाए। संविदा कार्यशाला अनुदेशक प्रोग्रामर का मानदेय 25 हजार रुपये हो। सर्वेश चौधरी ने कहा कि शासन द्वारा 412 पदों को आयोग की परिधि से बाहर कर दिया गया है। उन पदों पर कार्यरत संविदा शिक्षकों का समायोजन किया जाए।

- मांग पूरी न होने तक जारी रहेगा आंदोलन
- सरकार पर लगाया भेदभाव का आरोप

विगत पांच वर्षों से लगातार कार्य करने वाले संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाए। महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश लागू हो। उन्होंने कहा कि 11 माह का वेतन और 12 आकस्मिक अवकाश देने की मांग भी लंबित है। सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। यदि सरकार ने अनसुनी की तो वे सड़कों पर आंदोलन करेंगे। इस मौके पर नंदकिशोर सती, नरेश पाठक, खगेन्द्र अवस्थी, वेता, दीपक, कविता भंडारी, सिमरन बड़वाल, सब्बल सिंह, भूषण, मुनीर, दिव्या, रितुराज, नमिता तिवारी, सुमित, पूरन सिंह राणा, महेश पाल, सुमित कुमार, दिशा नेगी, सुभाष पाल, अशोक कुमार, राजीव मंद्रवाल, मुकेश सिंह तथा विजय राम डंगवाल आदि मौजूद थे।